

कक्षा - 9

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 1

हिम्मत और जिंदगी

(रामधारी सिंह 'दिनकर' (1908-1974))

भाग – 3

अभ्यास-माला

कीर्ति बसुमतारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यासमाला

(अ) सही विकल्प का चयन करो :

1. किन व्यक्तियों को सुख का स्वाद अधिक मिलता है ?

(क) जो सुख का मूल्य पहले चुकाता है।

(ख) जो सुख का मूल्य पहले चुकाता है और उसका मजा बाद में लेता है।

(ग) जिसके पास धन और बल दोनों हैं।

(घ) जो पहले दुःख झेलता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. पानी में जो अमृत-तत्त्व है, उसे कौन जानता है ?

(क) जो प्यासा है।

(ख) जो धूप में खूब सूख चुका है।

(ग) जिसका कंठ सूखा हुआ है।

(घ) जो रेगिस्तान से आया है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. 'गोधूली वाली दुनिया के लोगों' से अभिप्राय है –

(क) विवशता और अभाव में जीने वाले लोग।

(ख) जय-पराजय के अनुभव से परे लोग।

(ग) फल की कामना न करने वाले लोग।

(घ) जीवन को दाँव पर लगाने वाले लोग।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह –

(क) सदा आगे बढ़ता जाता।

(ख) बाधाओं से नहीं घबराता है।

(ग) लोगों की सोच की परवाह नहीं करता।

(घ) बिलकुल निडर होता है।

(आ) संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में) :

1. चाँदनी की शीतलता का आनंद कैसा मनुष्य उठा पाता है ?

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(आ) संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में) :

1. चाँदनी की शीतलता का आनंद कैसा मनुष्य उठा पाता है ?

उत्तर : चाँदनी की ताजगी और शीतलता का आनंद वह मनुष्य लेता है, जो दिन भर धूप में थक कर लौटा है, जिसके शरीर को अब तरलाई की जरूरत महसूस होती है और जिसका मन यह जानकर संतुष्ट है कि दिन भर का समय उसने किसी अच्छे काम में लगाया है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. लेखक ने अकेले चलने वाले की तुलना सिंह से क्यों की है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. लेखक ने अकेले चलने वाले की तुलना सिंह से क्यों की है?

उत्तर : लेखक ने अकेले चलने वाले की तुलना सिंह से इसलिए की है क्योंकि सिंह जंगल में अकेला निडर होकर घूमता है। वह भेड़ या भैंस की तरह झुंड में नहीं चलता। ठीक उसी प्रकार अकेले चलने वाला व्यक्ति भी बिल्कुल निडर, बिल्कुल बेखौफ होता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. जिंदगी का भेद किसे मालूम है ?



3. जिंदगी का भेद किसे मालूम है ?

उत्तर : जिंदगी का भेद कुछ उसे ही मालूम है जो यह जानकर चलता है कि जिंदगी कभी भी खत्म न होने वाली चीज है।

4. लेखक ने जीवन के साधकों को क्या चुनौती दी है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. लेखक ने जीवन के साधकों को क्या चुनौती दी है?

उत्तर : लेखक ने जीवन के साधकों को यह चुनौती दी है कि अगर किनारे की मरी हुई सीपियों से ही संतोष मिल जाए तो समुद्र अंतराल में छिपे हुए मौक्तिक कोष को कौन बाहर लाएगा।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में):

1. **लेखक ने जिंदगी की कौन-सी दो सूरतें बताई हैं और उनमें से किसे बेहतर माना है?**

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में):

1. लेखक ने जिंदगी की कौन-सी दो सूरतें बताई हैं और उनमें से किसे बेहतर माना है?

उत्तर : लेखक ने जिंदगी की दो सूरते बताई है-

i. आदमी बड़े-से-बड़े मकसद के लिए कोशिश करता है और जगमगाती जीत को वह हासिल करना चाहते हैं।

ii. दूसरी सूरत यह है कि उन गरीब आत्माओं का हमजोली बन जाए जो न तो बहुत अधिक सुख पाते है और न उन्हें बहुत अधिक दुख पाने का संयोग है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

वह थोड़े में ही गुजारा कर लेते हैं और लेखक ने थोड़े में गुजारा करनो को ही बेहतर माना है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. जीवन में सुख प्राप्त न होना और मौके पर हिम्मत न दिखा पाना– इन दोनों में से लेखक ने किसे श्रेष्ठ माना है और क्यों ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. जीवन में सुख प्राप्त न होना और मौके पर हिम्मत न दिखा पाना– इन दोनों में से लेखक ने किसे श्रेष्ठ माना है और क्यों ?

उत्तर : लेखक ने जीवन में सुख प्राप्त न होना को श्रेष्ठ माना है क्योंकि सुख-भोग सभी को नहीं मिलता। उसके लिए जिंदगी की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पर जिसने जिंदगी में चुनौती भरे मौके पर हिम्मत नहीं दिखाई, उसे खुद की आत्मा से धिक्कार भरी आवाजें सुननी पड़ती है, की तुम कायर की तरह भाग खड़े हुए, तुमने समय पर साहस नहीं दिखाया आदि।

इसलिए लेखक ने सुख प्राप्त न होना को ही श्रेष्ठ माना है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. पाठ के अंत में दी गई कविता की पंक्तियों से युधिष्ठिर को क्या सीख दी गई है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. पाठ के अंत में दी गई कविता की पंक्तियों से युधिष्ठिर को क्या सीख दी गई है?

उत्तर : पाठ के अंत में कविता की पंक्तियों से युधिष्ठिर को यह सीख दी गई है कि जीवन उन लोगों के लिए नहीं हैं, जो सामने चुनौती देखकर भागते हैं। जीवन उन लोगो के लिए हैं, जो अपनी चरण रोप कर, निर्भय हो कर लड़ते हैं।